JK

Roll No. _____

Question Booklet Number

O.M.R. Serial No. :

M.A. II Semester (NEP) Examination, 2025-26

SANSKRIT

(धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र)

(Elective)

Paper Code							
A	0	2	0	8	0	5	T

Question Booklet Series
C

Time : 1 : 30 Hours] **[Maximum Marks : 75**

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. **All** questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as – A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on the last page)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गये हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C तथा D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

Rough Work

रफ कार्य

1. ''आधिः प्रणश्येद् द्विगुणे धने यदि न मोक्ष्यते।
काले कालकृतो नश्येत्फलभोग्यो न .....।''

(A) नश्यति

(B) कालजयी

(C) विदुषी

(D) धीरा

2. वेतनदाय प्रकरण किस अध्याय में है।

(A) व्यवहाराध्याय

(B) आचाराध्याय

(C) आगम

(D) निगम

3. तीन पीढ़ी पहले से चले आते हुये भोग (कब्जे) की अपेक्षा क्या अधिक प्रमाणिक होता है।

(A) शत्रुता

(B) आगम (लेख)

(C) दण्ड

(D) चोरी

4. (ऋण आदि) धन के सभी विवादों में उत्तर कार्य बलवान होता है किन्तु आधि (बन्धक रेहनदान और क्रय में ..... ही बलवान होता है।

(A) पूर्वकार्य

(B) परकार्य

(C) उत्तरकार्य

(D) दण्ड

5. निम्न में से प्रमाण नहीं होता है।

(A) लिखित

(B) भुक्ति (उपभोग, कब्जा)

(C) साक्षी

(D) शत्रुता

6. गृहस्थ धर्म प्रकरण किस अध्याय का है।

(A) व्यवहाराध्याय

(B) प्रायश्चित्ताध्याय

(C) नवति प्रकरण

(D) आचाराध्याय

7. ब्रह्मचारि प्रकरण वर्णित है-

(A) व्यवहाराध्याय

(B) आगमाध्याय

(C) आचाराध्याय

(D) प्रायश्चित्ताध्याय

8. जब दो स्मृतियों (धर्मशास्त्र के वचनों) में परस्पर विरोध हो तो किससे दिया गया न्याय बलवान होता है।

(A) शत्रु

(B) व्यवहार

(C) दण्ड

(D) निराशा

9. 'छलं निरस्य भूतेन व्यवहारान्नयेन्नृपः। भूतमप्यनुपन्यस्तं हीयते व्यवहारतः।' किस ग्रन्थ में है-

(A) याज्ञवल्क्यस्मृति

(B) मनुस्मृति

(C) रामायण

(D) महाभारत

10. 'ततोऽर्थौ लेखयेत सद्यः प्रतिज्ञातार्थसाधनम्' यह वाक्य है।

(A) मनुस्मृति

(B) याज्ञवल्क्यस्मृति

(C) अर्थशास्त्र

(D) वाणीदूत

11. आशौच प्रकरण किस अध्याय में वर्णित है।

(A) प्रायश्चित्ताध्याय

(B) व्यवहार

(C) आचार

(D) विचार

12. व्यवहाराध्याय में नहीं है-

(A) साधारण व्यवहारमातृका

(B) असाधारण व्यवहारमातृका

(C) स्तेय प्रकरण

(D) नश्वर प्रकरण

13. व्यवहाराध्याय में वर्णित है।

(A) प्रगति

(B) ऋणादान प्रकरण

(C) प्राप्ति

(D) निराशा

14. यदि धर्मशास्त्र और समय के आचार के विरूद्ध ढंग से दूसरों द्वारा पीड़ित होकर राजा निवेदन करें तो वह विषय है।

(A) व्यवहार का

(B) पलायन

(C) निन्दा

(D) जागरण

15. "व्यवहारान्नृपः पश्येद्विद्वद्भिर्ब्राह्मणैः सह। धर्मशास्त्रानुसारेण क्रोधलोभ विवर्जितः।।" श्लोक वर्णित है।

(A) मनुस्मृति

(B) याज्ञवल्क्यस्मृति

(C) अर्थशास्त्र

(D) रामायण

16. विवाह प्रकरण किस अध्याय में है।

(A) आचाराध्याय

(B) कथा

(C) प्रतिगर्भ

(D) मुख

17. ''साधारणव्यवहारमातृका प्रकरण'' किस अध्याय में है?

(A) आचाराध्याय

(B) अष्टकाध्याय

(C) व्यवहाराध्याम

(D) प्रायश्चिताध्याय

18. याज्ञवल्क्य स्मृति का तीसरा अध्याय कौन-सा है।

(A) आचाराध्याय

(B) प्रायश्चित्ताध्याय

(C) रसद

(D) व्यवहाराध्याय

19. व्यवहाराध्याय कौन सा अध्याय है-

(A) द्वितीय

(B) पंचम

(C) सप्तम

(D) नवम्

20. याज्ञवल्क्य स्मृति के प्रथम अध्याय का नाम है-

(A) व्यवहाराध्याय

(B) आचाराध्याय

(C) कथा

(D) प्रायश्चिताध्याय

21. प्रायश्चिताध्याय में ..... प्रकरण हैं।

(A) 5

(B) 10

(C) 15

(D) 20

22. व्यवहाराध्याय में कितने प्रकरण हैं।

(A) 50

(B) 25 प्रकरण

(C) 70

(D) 100

23. याज्ञवल्क्यस्मृति के प्रथम आचाराध्याय में कितने प्रकरण हैं।

(A) 13 प्रकरण

(B) 20

(C) 40

(D) 60

24. शूलपाणि ने अपनी व्याख्या में याज्ञवल्क्यस्मृति में कुल कितने श्लोक माने हैं।

(A) 800

(B) 1010

(C) 900

(D) 1500

25. विज्ञानेश्वर के मत में याज्ञवल्क्यमृति में कुल कितने श्लोक हैं।

(A) 1009

(B) 500

(C) 900

(D) 800

26. विश्वरूप के अनुसार याज्ञवल्क्यस्मृति में श्लोकों की संख्या है।

(A) 500

(B) 700

(C) 900

(D) 1003

27. याज्ञवल्क्य के रचनाकार हैं।

(A) मनु

(B) कौटिल्य

(C) याज्ञवल्क्य

(D) रसद

28. याज्ञवल्क्य किसके शिष्य थे।

(A) वैशम्पायन के

(B) भवभूति

(C) भारवि

(D) शिखाचार्य

29. वर्णाश्रम-धर्म का अर्थ है वर्ण-विशेष के ..... से सम्बद्ध धर्म।

(A) जनता

(B) आश्रम विशेष

(C) कर्म

(D) पलायन

30. निमित्त-धर्म का अर्थ ..... होता है।

(A) प्रायश्चित

(B) कर्म

(C) भोजन

(D) दावाग्नि

31. याज्ञवल्क्य स्मृति का भाग नहीं है-

(A) आचाराध्याय

(B) व्यवहाराध्याय

(C) प्रायश्चित्ताध्याय

(D) यात्राध्याय

32. याज्ञवल्क्य स्मृति कितने भागों (अध्यायों) में विभक्त है-

(A) दो अध्याय

(B) एक अध्याय

(C) तीन अध्याय

(D) दस अध्याय

33. मनुस्मृति में कुल कितने श्लोक है।

(A) 3000

(B) 2684

(C) 2000

(D) 1000

34. अपने-अपने धर्म में संलग्न सब वर्णों और आश्रमों की रक्षा करने वाले राजा को किसने बनाया (मनुस्मृति के अनुसार)

(A) ब्रह्मा ने

(B) कवि

(C) भरूचि

(D) इन्द्र

35. संसारोत्पत्ति का वर्णन किसमें किया गया है।

(A) मनुस्मृति के प्रथम अध्याय में

(B) चौथे अध्याय

(C) नवें अध्याय

(D) दूसरे अध्याय

36. मनुस्मृति के व्याख्याकार मेघातिथि के अनुसार धर्मशब्द के कितने उपादान प्राप्त होते हैं-

(A) दस

(B) पाँच

(C) पन्द्रह

(D) बीस

37. परोपकाराय पुण्याय ..... परपीडनम्।

(A) पापाय

(B) क्रोधाय

(C) दण्डाय

(D) रक्ताय

38. ''यत्र श्यामों लोहिताक्षो दण्डश्चरति पापहा।
प्रजास्त्र न मुह्यन्ति नेता चेत्साधु .....।।''

(A) नश्यति

(B) पतति

(C) पश्यति

(D) विलसति

39. मनुस्मृति के किस अध्याय में धर्म के श्रुतिसम्मत तथा स्मृतिसम्मत लक्षण बताए गए हैं।

(A) दसवें

(B) द्वितीय अध्याय में

(C) पाँचवें

(D) आठवें

40. भारतीय कानून सम्बन्धी ग्रन्थ के फारसी अनुवाद का अंग्रेजी में अनुवाद कब किया गया।

(A) 1786

(B) 1800

(C) 1900

(D) 2000

41. राघवानन्द के मनुस्मृति पर कौन सी टीका लिखी है-

(A) प्रदीपिका

(B) शिखा

(C) मन्वर्थचन्द्रिका

(D) आख्यायिका

42. 'मनुशास्त्रविवरण' किसकी टीका है-

(A) नन्दक

(B) भारूचि

(C) भिरूचित्र

(D) रामचन्द्र

43. 'नन्दिनी' नामक टीका किसकी है।

(A) नन्दन

(B) राघवानन्द

(C) रामचन्द्र

(D) पुत्रक

44. शास्त्रानुसार ठीक तरह से विचार करके दिया गया दण्ड सब प्रजाओं को ..... करता है।

(A) अनुरक्त

(B) नाश

(C) कष्ट

(D) पीड़ा

45. मनुस्मृति में दण्ड कितने प्रकार का माना गया है-

(A) पाँच

(B) दो

(C) दस

(D) बीस

46. राजाग्नि सञ्चित ..... के सहित कुल को जला देती है।

(A) पशु तथा द्रव्य

(B) स्वभाव

(C) शत्रु

(D) पानी

47. जिस राजा की प्रसन्नता में लक्ष्मी, पराक्रम में विजय, क्रोध में मृत्यु वास करती है, वह राजा किससे युक्त होता है।

(A) नख

(B) शिख

(C) सर्वतेज

(D) पग

48. जो व्यक्ति अग्नि को हाथ आदि से स्पर्श करता है, प्रज्वलित अग्नि के समीप जाता है, उसे क्या कहते हैं-

(A) काण्ड

(B) कण्डिका

(C) दुराग्नि

(D) दुरूपसर्पी

49. यह मनुष्य है ऐसा जानकर किसका अपमान नहीं करना चाहिए।

(A) बालक राजा का

(B) पशु

(C) पक्षियों

(D) वृद्ध

50. 'चन्द्रिका' नामक टीका किसकी है-

(A) मेधातिथि

(B) रामचन्द्र

(C) कसम

(D) गोविन्दराज

51. ''मन्वाशयनसारिणी'' नामक टीका के टीकाकार कौन है-

(A) गोविन्दराज

(B) रामचन्द्र

(C) मेधातिथि

(D) कालि

52. मनुस्मृति पर कुल्लूकभट्ट ने कौन सी टीका लिखी है-

(A) मनुभाष्य

(B) मन्वर्थमुक्तावली

(C) चन्द्रिका

(D) राजिका

53. मनुस्मृति पर 'मनुभाष्य' नामक टीका किसने लिखा है-

(A) मेधातिथि

(B) गोविन्दराज

(C) रामचन्द्र

(D) कालिदास

54. अराजके हि लोकेऽस्मिन्सर्वतो विद्रुते भयात् ।
रक्षार्थमस्य सर्वस्य राजानमसृजत्प्रभुः।। यह श्लोक मनुस्मृति के किस अध्याय में वर्णित है-

(A) प्रथम

(B) सप्तम

(C) द्वितीय

(D) तृतीय

55. इन्द्र, वायु, यम, सूर्य, अग्नि, वरूण, चन्द्रमा तथा कुबेर का सारभूत शाश्वत अंश लेकर ईश्वर ने किसकी सृष्टि की।

(A) राजा की

(B) प्रजा

(C) शत्रु

(D) पुत्री

56. ''ब्राहमण प्राप्तेन संस्कारं क्षत्रियेण यथाविधि।
सर्वस्यस्य यथान्यायं ..... परिक्षणम्।।''

(A) कुम्भकारं

(B) परिरक्षेण

(C) कर्तव्यं

(D) कुसुमं

57. मनुस्मृति के सप्तम अध्याय में लगभग कितने श्लोक हैं-

(A) 100

(B) 226

(C) 400

(D) 500

58. 'राजधर्मान्प्रवक्ष्यामि यथावृत्तौ भवेन्नृपः।
सम्भवश्च यथा तस्य सिद्धिश्च परमा यथा।। इस श्लोक में धर्म शब्द से क्या तात्पर्य है-

(A) कर्तव्यतावचन

(B) खेल

(C) भोजन

(D) यात्रा वृत्तान्त

59. मनुस्मृति के किस अध्याय में राजा के आचार, उत्पत्ति तथा राजा की परम सफलता (ऐहिक अथवा पारलौकिक) की परिचर्चा की है।

(A) सप्तम अध्याय

(B) दशम्

(C) नवम्

(D) अष्टम्

60. मनुस्मृति में कुल कितने अध्याय हैं-

(A) बारह

(B) बीस

(C) तीस

(D) चालीस

61. मनुमेकाग्रमासीनमभिगम्य महर्षयः।
प्रतिपूज्य यथान्यायमिदं वचनमब्रुवन्।। यह श्लोक किस ग्रन्थ का है-

(A) मनुस्मृति

(B) रामायण

(C) अर्थशास्त्र

(D) याज्ञवल्क्य स्मृति

62. 'मनुस्मृति' किसकी रचना है।

(A) कौटिल्य

(B) याज्ञवल्क्य

(C) मनु

(D) रसखान

63. मनुस्मृति किस प्रकार का ग्रन्थ है।

(A) वेद

(B) धर्मशास्त्रीय

(C) अर्थशास्त्रीय

(D) कर्मशास्त्रीय

64. अपने भाई-बंधुओं से भी स्नेह न रखने वाले, क्रूर प्रकृति और आलसी स्वभाव वाले व्यक्ति कहलाते हैं-

(A) रसद (जहर देने वाला)

(B) गृहपतिक

(C) कापटिक

(D) उदास्थित

65. बुद्धिमान, पवित्र हृदय और गरीब किसान के वेष में रहने वाले गुप्तचर को कहते हैं-

(A) उदास्थित

(B) कापटिक

(C) गृहपतिक

(D) रसद

66. बुद्धिमान, सदाचारी, सन्यासी के वेष में रहने वाले गुप्तचर का नाम है।

(A) कापटिक

(B) उदास्थित

(C) गृहपतिक

(D) रसद

67. दूसरों के रहस्यों को जानने वाला, बड़ा प्रगल्भ (दबंग) और विद्यार्थी की वेश-भूषा में रहने वाला गुप्तचर कहलाता है-

(A) कापटिक

(B) रसद

(C) गृहपतिक

(D) उदास्थित

68. राजा के व्यवहार की कितनी विधियाँ हैं-

(A) दस

(B) बीस

(C) तीन

(D) पचास

69. ''विभज्यामात्यविभवं देशकालौ च कर्म च।

..... सर्व एवैते कार्याः स्युर्न तु मन्त्रिणः।।''

(A) युवकः

(B) अमात्याः

(C) रोधी

(D) संगम

70. 'अर्थशास्त्र' ग्रन्थ के दूसरे अधिकरण का नाम क्या है-

(A) अध्यक्ष प्रचार

(B) विनयाधिकरण

(C) रासदप्रकरण

(D) अथर्व

71. कौटिल्य अर्थशास्त्र के किस अधिकरण में 'अमात्यों की नियुक्ति' नामक अध्याय है-

(A) तृतीय

(B) प्रथम अधिकरण

(C) पंचम

(D) सप्तम

72. ''धर्म, अर्थ और काम, इन तीनों में अर्थ प्रधान है, धर्म और काम अर्थ पर निर्भर हैं''। यह किसका अभिमत है-

(A) आचार्य कौटिल्य

(B) मनु

(C) याज्ञवल्क्य

(D) भवभूति

73. विद्या और विनय का हेतु क्या है।

(A) यात्रा

(B) सुख

(C) इन्द्रियजय

(D) आदर

74. ''विद्याविनीतो राजा हि प्रजानां विनये रतः।

अनन्यां पृथिवीं भुङ्क्ते ..... रतः।।''

(A) सर्वस्व

(B) सर्वभूतहिते

(C) पंचानन

(D) नयति

75. आन्वीक्षिकी, त्रयी और वार्ता, इन तीनों विद्याओं का अस्तित्व आधारित है-

(A) दण्डनीति पर

(B) त्याग

(C) कार्य

(D) यात्रा

76. वार्ताविद्या के विषय नहीं हैं।

(A) कृषि

(B) पशुपालन

(C) व्यापार

(D) आराम

77. 'वार्तादण्डनीतिस्थापना' क्या है।

(A) विनयाधिकरण प्रथम अधिकरण में तीसरा अध्याय

(B) दसवाँ अध्याय

(C) बीसवाँ अध्याय

(D) तीसवाँ अध्याय

78. कौटिल्य अर्थशास्त्र के प्रथम अधिकरण में कितने अध्याय हैं।

(A) तीस

(B) बीस (20)

(C) चालीस

(D) पचास

79. वेदांग कितने हैं।

(A) छः

(B) आठ

(C) दस

(D) चार

80. साम्, ऋक् तथा यजु, इन तीनों वेदों का समन्वित नाम है।

(A) पंचवेद

(B) सप्त

(C) त्रयी (तीनों वेद)

(D) नवम् वेद

81. ''प्रदीपः सर्वविद्यानामुपायः सर्वकर्मणाम्।
आश्रयः ..... शश्वदान्वीक्षकी मता।।

(A) आश्रयः

(B) सर्वधर्माणां

(C) निराश्रमं

(D) अन्विति

82. 'आन्वीक्षकी त्रयी दण्डनीतिश्चेति विद्याः' किस ग्रन्थ से उद्धृत है-

(A) अर्थशास्त्र

(B) मेघदूत

(C) रामायण

(D) सीताचरित

83. कौटिल्य अर्थशास्त्र के प्रथम अधिकरण का नाम है।

(A) विनयाधिकारिक

(B) अधिकरण योगवृत्त

(C) अधिकरण संग्रामिक

(D) अधिकरण संघवृत्त

84. कौटिल्य अर्थशास्त्र में कितने अधिकरण हैं।

(A) पाँच

(B) दस

(C) बीस

(D) पन्द्रह (15)

85. 'अर्थशास्त्र ऑफ कौटिल्य' किसकी कृति है-

(A) डॉ. जौली

(B) कालिदास

(C) व्यास

(D) भास

86. कौटिल्य का वास्तविक पितृ-प्रदत्त नाम क्या था।

(A) सेनजित

(B) विष्णुगुप्त

(C) प्रसेन

(D) विष्णुशुक्ल

87. कौटिल्य ने कार्य भेद से गुप्तचरों के कितने विभाग किये हैं।

(A) नौ

(B) अट्ठारह

(C) बीस

(D) तीस

88. कौटिल्य द्वारा बताये गये दूतों की तीन श्रेणियों में नहीं आते हैं-

(A) निसृष्टार्थ

(B) परिमितार्थ

(C) शासनहर

(D) अर्थागार

89. कौटिल्य ने राजदूत को क्या माना है?

(A) नाक

(B) कान

(C) राजा का मुख

(D) आँख

90. किसके अनुसार मन्त्री और अमात्य दो अलग--अलग पद थे?

(A) कालिदास

(B) कौटिल्य

(C) भास

(D) भारवि

91. 'अर्थशास्त्र' के लेखक है।

(A) कौटिल्य

(B) मनु

(C) व्यास

(D) दास

92. ''अर्थशास्त्र'' ग्रंथ में किस विषय की गंभीर व्याख्या की गयी है?

(A) पूजन

(B) सभा-समिति

(C) कर्णवेध

(D) संस्कार

93. समिति के सदस्य समाज के विभिन्न ..... के प्रतिनिधि होते हैं।

(A) ग्राम

(B) अधिकरण

(C) समुदायों या क्षेत्रों (वर्गों)

(D) सभागार

94. ग्राम-सघटन के प्रतिनिधि को क्या कहा जाता है।

(A) ग्रामणी

(B) नारायण

(C) नारायणी

(D) कल्याणी

95. कौटिल्य ने कितने प्रकार के संघ राज्यों का उल्लेख किया।

(A) दस

(B) दो

(C) नौ

(D) आठ

96. कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में तत्कालीन संघराज्यों के वृत्तान्त के लिए कौन से एक स्वतंत्र अधिकरण की रचना की।

(A) पहला

(B) दूसरा

(C) पाँचवाँ

(D) ग्यारहवाँ अधिकरण

97. मल्लों के वृहद संभागार (सार्वजनिक भवन-House of Communal Assembly) का उल्लेख हुआ-

(A) महापरिनिब्बान सुत्त

(B) रामायण

(C) मेघदूत

(D) महाभारत

98. कौटिल्य ने मंत्रियों की सभा को ही कहा है।

(A) दरबार

(B) मन्त्रिपरिषद

(C) सभागार

(D) मंत्रालय

99. कौटिल्य ने मंत्र के कितने अंग बताये हैं।

(A) पाँच

(B) बीस

(C) तीस

(D) दस

100. कौटिल्य ने मन्त्रिपरिषद् के प्रमुख कितने सदस्य बताये हैं।

(A) चार

(B) दस

(C) बीस

(D) एक

Rough Work

रफ कार्य

Example :

Question :

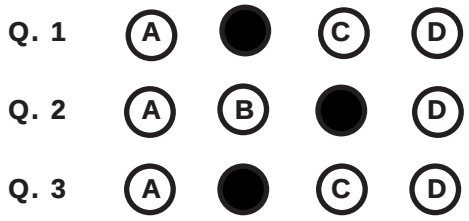

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.
6. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.
7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.
8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.
9. There will be no negative marking.
10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.
11. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.
12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question booklet, then after showing it to the invigilator, get another question booklet of the same series.

उदाहरण :

प्रश्न :

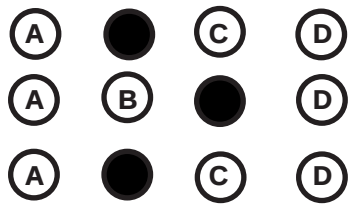

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
6. सभी उत्तर केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
7. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।
9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।
10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।
11. परीक्षा कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।
12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

महत्वपूर्ण : प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।